सत्यमेव जयते
Government of India

Media Scanning & Verification Cell

Media alert from the Media Scanning & Verification Cell, IDSP-NCDC.

Alert ID	Publication Date	Reporting Date	Place Name	News Source/Publication Language
3827	07.01.2017	09.01.2017	Balrampur Chhattisgarh	www.naidunia.jagran.com/Hindi http://naidunia.jagran.com/chhattisgarh/ambikapur-more-than-100-people-health-deteriorated-by-food-poisoning-935468

Title:	**More than 100 people fell ill due to food poisoning in district Balrampur, Chhattisgarh**
Action By CSU, IDSP –NCDC	Information communicated to DSU-Balrampur, SSU-Chhattisgarh

लरामपुर विकासखंड के कोड़ाकू बाहुल्य पंचायत घाघरा में एक सौ से अधिक ग्रामीण फूड प्वाइजनिंग के शिकार हो गए। दो दिन पहले गांव में मृत्यु उपरांत आयोजित एक भोज में सभी कोड़ाकुओं ने भोजन किया था। इसके बाद इनकी तबियत खराब होनी शुरू हो गई। उल्टी-दस्त, कमजोरी, चक्कर आने की शिकायत पर कलेक्टर अवनीश शरण के नेतृत्व में स्वास्थ्य अमला गांव में पहुंचा, तो एक सौ से भी अधिक ग्रामीण पीड़ित पाए गए।

गांव में ही अस्थाई चिकित्सा शिविर लगाकर त्वरित जांच और उपचार की सुविधा देने के अलावा तीस से अधिक ग्रामीणों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल बलरामपुर में लाकर दाखिल कराया गया। चिकित्सकों और स्वास्थ्य अमले की तत्परता से पीड़ितों के स्वास्थ्य में सुधार बताया जा रहा है। गांव में अभी भी शिविर जारी है और हर पीड़ित के स्वास्थ्य पर नजर रखी जा रही है।

जानकारी के मुताबिक दो दिन पहले ग्राम पंचायत घाघरा में मृत्यु भोज का कार्यक्रम था। इसमें कोड़ाकू समाज के लोगों ने हिस्सा लेकर भोजन किया था। गुरूवार दोपहर बाद से गांव के कुछ

Save Water- Save Life, Save a tree- Don't print unless it's really necessary!

लोगों की तबियत बिगड़नी शुरू हुई। मैदानी स्वास्थ्य अमले द्वारा तत्काल गांव में ही प्रभावितों को जांच व उपचार सुविधा उपलब्ध कराना शुरू किया। धीरे-धीरे पीड़ितों की संख्या बढ़ने लगी। गुरूवार रात कलेक्टर अवनीश शरण को पंचायत सचिव के माध्यम से सूचना मिली कि घाघरा में मृत्यु उपरांत आयोजित भोज में भोजन करने वाले कई ग्रामीणों की तबियत खराब हो गई है।

सूचना को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर अवनीश शरण ने तत्काल चिकित्सकों और मैदानी स्वास्थ्य अमले को प्रभावित ग्राम में भेजा। रात में जो भी पीड़ित मिले, उनकी उपचार की गई। सुबह कलेक्टर अवनीश शरण खुद ग्राम घाघरा पहुंचे। कोड़ाकू बाहुल्य गांव होने के कारण उन्होंने घर-घर सर्वे का काम शुरू कराया। सर्वे में हर घर से बीमार लोग मिले, जो उल्टी-दस्त, कमजोरी, चक्कर आने जैसी शिकायत कर रहे थे। गांव के पंचायत भवन और सार्वजनिक स्थान पर चिकित्सक डॉ.एचएस मिश्रा, डॉ.अरूण कुमार, डॉ.रमाकांत के नेतृत्व में स्वास्थ्य कर्मचारियों ने तत्परता पूर्वक ईलाज शुरू की।

गांव में कुछ लोगों की तबियत ज्यादा खराब होने पर एंबुलेंस से जिला अस्पताल बलरामपुर लाया गया। यहां भी चिकित्सकों की टीम जांच व उपचार में लगी रही। जिला अस्पताल बलरामपुर में कोपली 50 वर्ष, ठकनी 60 वर्ष, बुधनी 70 वर्ष, सोमारू 60 वर्ष, सूखन 70 वर्ष, फूलचंद 65 वर्ष, सुमारा 55 वर्ष, रमेश 55 वर्ष, प्रेमसाय 52 वर्ष, लोधार 55 वर्ष, दीपक 2 वर्ष, फूलकुमारी 4 वर्ष, लालमुनी 25 वर्ष, संतोष 5 वर्ष, राजमति 7 वर्ष, शनि 2 वर्ष, संदीप 5 वर्ष, राजू 3 वर्ष, संजीव 2 वर्ष, रामजीत 10 वर्ष, पूनम 30 वर्ष, सतानी 40 वर्ष, सिंघनी 40 वर्ष, बुधनी 35 वर्ष, मंगारी 65 वर्ष, हिरमनिया 40 वर्ष, लक्ष्मनिया 42 वर्ष, सोमारी 45 वर्ष, रामभजन 70 वर्ष, सुभारी 45 वर्ष को भर्ती किया गया है। ये सभी कोड़ाकू समुदाय के लोग हैं। गांव में अब स्थिति सामान्य बताई जा रही है। कलेक्टर के निर्देश पर स्वास्थ्य अमला अभी भी गांव में जुटा हुआ है।

दूषित भोजन सेवन की संभावना

कोड़ाकू बाहुल्य घाघरा पंचायत में जिस तेजी से पीड़ितों की संख्या बढ़ी, उससे चिकित्सक फुड प्वाइजनिंग की संभावना जता रहे हैं। कलेक्टर अवनीश शरण की मौजूदगी में प्रभावित ग्रामीणों से भोज में सेवन किए गए आहार के संबंध में पूछताछ की गई। गांव वालों ने साधारण दाल-चावल सेवन की जानकारी दी, लेकिन उल्टी-दस्त, चक्कर, कमजोरी की शिकायतों पर ध्यान देते हुए आहार में दूषित भोजन या फिर कोई ऐसा खाद्य पदार्थ सेवन करने का शक है, जिसने सभी का स्वास्थ्य बिगाड़ा।

सच्चाई जानने जांच के निर्देश

दूषित भोजन से एक सौ से अधिक कोड़ाकू लोगों के बीमार होने की घटना को कलेक्टर अवनीश शरण ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देशित किया है कि किस वजह से लोग पीड़ित हुए, इसकी जांच करें। कोड़ाकुओं द्वारा सेवन किए गए आहार का सेंपल तो नहीं मिला है, लेकिन स्टूल और यूरिन जांच से सच्चाई सामने आने की संभावना है। जांच से मंशा है कि कोड़ाकुओं में जागरूकता लाने की कोशिश की जाए और भविष्य के लिए उन्हें सचेत किया जाए कि ऐसा कोई आहार का सेवन वे न करें, जिससे उनकी तबियत बिगड़े।

स्थिति अब सामान्य-कलेक्टर

कलेक्टर अवनीश शरण ने बताया कि चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मचारियों की तत्परता से घाघरा गांव में स्थिति अब सामान्य है। वे खुद प्रभावित गांव में पहुंचे थे। गांव में अभी भी अस्थाई शिविर चल रहा है। हर पीड़ित पर नजर रखी जा रही है। कलेक्टर ने बताया कि शुक्रवार को घर-घर सर्वे का काम भी कराया गया, ताकि हर पीड़ित को तत्काल स्वास्थ्य जांच व उपचार की सुविधा मिल सके।

Save Water- Save Life, Save a tree- Don't print unless it's really necessary!

Disclaimer:- This is a media alert subject to verification.

Integrated Disease Surveillance Programme (IDSP), National Centre for Disease Control,
Ministry Of Health & Family Welfare, Government of India
22-Sham Nath Marg, Delhi – 110 054
For more information please contact: Media Scanning & Verification Cell: - Phone (011)23946029
Email: - idspmediaalert@gmail.com, idsp-msc@nic.in, idsp-npo@nic.in
Join us on http://www.facebook.com/pages/Media-Scanning-Verification-Cell-IDSPNCDC/137297949672921
https://twitter.com/MSVC1

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर